

चर्चा में रही महत्त्वपूर्ण प्रजातियाँ

संक्षिप्त वविरण

- यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में प्रत्येक वर्ष चर्चा में रही विभिन्न प्रजातियों की आईयूसीएन स्थिति अथवा उनकी अनूठी विशेषताओं पर आधारित एक या एक से अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं। लेकिन इन सभी प्रजातियों से संबंधित जानकारी को याद रख पाना बहुत ही मुश्किल काम है।
- इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने समाचारों में कुछ महत्त्वपूर्ण प्रजातियों की सूची तैयार की है। ताकि अगर कुछ प्रजातियों को छोड़ भी दिया जाए तो भी आप एलमिनिशन वधि से प्रश्नों को हल कर सकें।
- उदाहरण के लिये, यह लेख आपको भारत में गंभीर रूप से लुप्तप्राय (CR) प्रजातियों की पूरी सूची प्रदान करता है। केवल CR प्रजातियों को याद करके आप IUCN स्थिति पर आधारित प्रश्नों को आसानी से हल कर सकते हैं।

गंभीर संकटग्रस्त (CR) पक्षी प्रजातियाँ :

प्रजाति	संरक्षण स्थिति	भौगोलिक वितरण/आवास	अद्वितीय विशेषता/टपिपणी
सफेद पेट वाला बगुला/व्हाइट बेलीड हेरान	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	<ul style="list-style-type: none"> • पूर्वी हिमालय की तलहटी में (भारत और म्याँमार) 	<ul style="list-style-type: none"> • यह अधिकांशतः एकांतवासी है और अबाधित नदी क्षेत्रों या आर्द्रभूमियों में पाया जाता है।
साइबेरियन क्रैन	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	<ul style="list-style-type: none"> • आर्कटिक टुंड्रा क्षेत्र 	<ul style="list-style-type: none"> • ये सर्दियों के दौरान प्रजनन के लिये चीन, ईरान और भारत (भरतपुर) की ओर प्रवास करते हैं। • साइबेरियन क्रैन उन प्रजातियों में से एक है जिनके लिये अफ्रीकी-यूरेशियाई प्रवासी जलपक्षी (AEWA) के संरक्षण पर समझौता हुआ है।
सफेद पूँछ वाला गदिध (White-rumped Vulture)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I।	<ul style="list-style-type: none"> • भारत में गंगा का मैदानी भाग 	<ul style="list-style-type: none"> • भारत में गदिधों की नौ प्रजातियाँ पाई जाती हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश के विलुप्त होने का खतरा है।
भारतीय गदिध (Indian Vulture)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I।	<ul style="list-style-type: none"> • भारत में गंगा का मैदानी भाग 	<ul style="list-style-type: none"> • गदिधों की आबादी के लगभग समाप्त होने का प्रमुख कारण डाइक्लोफेनाक नामक दवा थी।
लंबी चोंच वाला गदिध (Slender-billed Vulture)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I।	<ul style="list-style-type: none"> • उप-हिमालयी क्षेत्र तथा दक्षिण-पूर्व एशिया 	<ul style="list-style-type: none"> • सरकार ने भारत में गदिधों के संरक्षण के लिये गदिध संरक्षण 2020-2025 योजना शुरू की है।
लाल सरि वाला गदिध (Red-headed Vulture)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I।	<ul style="list-style-type: none"> • भारतीय उपमहाद्वीप तथा दक्षिण-पूर्व एशिया 	<ul style="list-style-type: none"> • एशियाई कगि वलचर, भारतीय काले गदिध या पांडचिरी गदिध के रूप में भी जाना जाता है।

बंगाल फ्लोरिकिन (Bengal Florican)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) प्रवासी प्रजातियों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय: परशिष्ट I।	• भारत और नेपाल में गंगा तथा ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन के घास के मैदान।	• यह ब्रह्मपुत्र और साथ ही गंगा में सूखे घास के मैदानों की एक प्रतनिधिया संकेतक प्रजाति है।
हिमालयन बटेर/पर्वतीय बटेर (Himalayan Quail)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I।	• उत्तराखंड राज्य	• अंतिम जनसंख्या अनुमान के अनुसार इनकी संख्या 50 से कम थी। • वर्ष 1876 के बाद से इनकी उपस्थिति दर्ज नहीं की गई है।
जेरडॉन्स करसर (Jerdon's Courser)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I।	• पूर्वी घाट	• आंध्र प्रदेश के लिये स्थानिक।
गुलाबी सरि वाली बतख (Pink-headed Duck)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I।	• भारत, बांग्लादेश और म्यांमार में नदी के दलदलीय क्षेत्र	
सोशरिबल लैपवगि	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	• रूस और कजाकस्तान में घास के खुले मैदान	• सर्दियों के दौरान कंवर झील, बहिर (बहिर की पहली रामसर साइट) में प्रवास करते हैं। • ये पक्षी मध्य एशियाई फ्लाईवे के माध्यम से पलायन करते हैं।
सोन चरिया/गोडावण (Great Indian Bustard)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I। CITES: परशिष्ट I। प्रवासी प्रजातियों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय: परशिष्ट I।	• यह आमतौर पर भारतीय उपमहाद्वीप (वशिष रूप से राजस्थान, गुजरात, पाकस्तान में) पर शुष्क घास के मैदानों और झाड़ियों में रहता है।	• यह विश्व के सबसे भारी उड़ने वाले पक्षियों में से एक है। • यह राजस्थान का राज्य पक्षी है। • इसके संरक्षण के लिये राजस्थान सरकार द्वारा प्रोजेक्ट गोडावण शुरू किया गया है।

गंभीर रूप से संकटग्रस्त स्तनधारी:

प्रजाति	संरक्षण स्थिति	आवास	अद्वितीय वशिषता/टपिपणी
मालबार सविट	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I। CITES परशिष्ट III।	• पश्चिमी घाट	• यह एक रात्रचिर प्रजाति है। • इस जानवर की गंध ग्रंथि से सविटोन निकाला जाता है जिसका उपयोग औषधियों में और सुगंधित के रूप में किया जाता है। • यह भारत के पश्चिमी घाटों के लिये स्थानिक है।
सुमात्रा राइनो (Sumatran Rhinoceros)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	• ये भारत, नेपाल, भूटान, इंडोनेशिया और मलेशिया में पाए जाते हैं।	• राइनो की सभी प्रजातियों में सबसे छोटा।
जावा राइनो (Javan Rhinoceros)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	• अब मुख्य रूप से सुमात्रा और इंडोनेशिया में बोरनियों में शेष। • इन देशों को एशियाई राइनो रेंज देशों के रूप में भी जाना जाता है।	• एशिया में राइनो की तीन प्रजातियां - ग्रेटर वन हॉर्नड, जावा और सुमात्रा। • जावा और सुमात्रा राइनो गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं जबकि ग्रेटर एक सींग वाले (या भारतीय) गैंडे IUCN रेड लिस्ट में सुभेद्य के रूप में सूचीबद्ध

			<ul style="list-style-type: none"> • भारत में केवल ग्रेटर वन हॉर्नड राइनो यानी एक सींग वाला गैंडा पाया जाता है।
एलवरि चूहा या लार्ज रॉक रैट (Large Rock-rat or Elvira Rat)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I	<ul style="list-style-type: none"> • उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती झाड़ी भूमि, चट्टानी क्षेत्रों में देखा जाता है। 	<ul style="list-style-type: none"> • रात्रिचर तथा छेद करने वाले कृंतक • तमलिनाडु के पूर्वी घाटों के लिये स्थानिक
नामदफा की उड़ने वाली गलिहरी (Namdapha Flying Squirrel)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची II	<ul style="list-style-type: none"> • अरुणाचल प्रदेश में नामदफा राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है। 	<ul style="list-style-type: none"> • यह 25 "सर्वाधिक वांछित खोई हुई" प्रजातियों में से एक है जो वैश्विक वन्यजीव संरक्षण की "खोई हुई प्रजातियों की खोज" (Search for Lost Species) पहल के केंद्र में है।
एशियाई चीता	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) CITES: परशिषिट I	<ul style="list-style-type: none"> • खुली भूमि, छोटे मैदान, अर्द्ध-रेगसितानी क्षेत्र और अन्य खुले आवास जहाँ शिकार उपलब्ध है। • ईरान में इनकी संख्या केवल 40-50 तक सीमति रह गई है। 	<ul style="list-style-type: none"> • अफ्रीकी चीता से छोटे तथा रंग भी तुलनात्मक रूप से हल्का [IUCN स्थिति: सुभेद्य (VU)] • शरीर पर बहुत अधिक फर, छोटा सरि तथा लंबी गर्दन • आमतौर पर इनकी आँखें लाल होती हैं और प्रायः बिल्ली के समान दिखते हैं।
अंडमान सफेद दाँतों वाली श्रू (Andaman White-toothed Shrew)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	<ul style="list-style-type: none"> • दक्षिण अंडमान द्वीप समूह में माउंट हैरियट पर पाया गया। 	<ul style="list-style-type: none"> • भारत के लिये स्थानिक
नकिोबार श्रू	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	<ul style="list-style-type: none"> • ग्रेटर नकिोबार द्वीप के दक्षिणी सरि पर और कैपबेल बे नेशनल पार्क में पाया जाता है 	
जेनकसि श्रू (Jenkin's Shrew)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	<ul style="list-style-type: none"> • दक्षिण अंडमान द्वीप समूह में राइट मायो और माउंट हैरियट पर पाया गया। 	
चीनी पैंगोलिनि (Chinese Pangolin)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिषिट I	<ul style="list-style-type: none"> • पूर्वी नेपाल, भूटान, उत्तरी भारत, उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश और दक्षिणी चीन के माध्यम से इमिलय की तलहटी। 	<ul style="list-style-type: none"> • त्वचा पर शल्क पाए जाते हैं • पैंगोलिनि की शल्क का उपयोग पारंपरिक दवाओं में। • इस वशिषता के चलते यह ऐसा जानवर है जिसकी सबसे अधिक तस्करी की जाती है। • इसके अलावा, कुछ ऐसे सदिधांत भी सामने आए हैं जो बताते हैं कि पैंगोलिनि कोविड -19 का मध्यवर्ती वाहक है। • IUCN में भारतीय पैंगोलिनि की स्थिति: संकटग्रस्त (EN)

गंभीर रूप से संकटग्रस्त मछलियाँ:

प्रजाति	संरक्षण स्थिति	आवास	अद्वितीय वशिषता/टिपिणी
पांडिचिरी शार्क	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)	<ul style="list-style-type: none"> • हृदि-प्रशांत क्षेत्र 	<ul style="list-style-type: none"> • यह 25 "सर्वाधिक वांछित खोई हुई" प्रजातियों में से एक है जो वैश्विक वन्यजीव

			संरक्षण की "खोई हुई प्रजातियों की खोज" (Search for Lost Species) पहल के केंद्र में है।
नाइफ टूथ सॉफिश	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)		<ul style="list-style-type: none"> • इन्हें कार्पेंटर शार्क भी कहा जाता है। • ये लंबे, संकीर्ण, चपटे रोस्ट्रम या नाक के वसितार वाले 'रे' (मछली का एक प्रकार) परिवार से संबंधित हैं। इनके तेज़ अनुप्रस्थ दाँत इस प्रकार पंक्तबिद्ध और व्यवस्थित होते हैं कि वे आरी (सों) के समान प्रतीत होते हैं।
पतले थूथन वाली या ग्रीन सॉफिश (Narrow snout or Green Sawfish)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)		
गंगा शार्क	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I	<ul style="list-style-type: none"> • गंगा-हुगली नदी प्रणाली के निम्न जल स्तर वाले क्षेत्रों के ताज़े जल, तटवर्ती समुद्र और नदियों के मुहाने। 	

गंभीर रूप से संकटग्रस्त सरीसृप:

प्रजाति	संरक्षण स्थिति	आवास	अद्वितीय विशेषता/ टपिपणी
मछली खाने वाला मगरमच्छ या घड़ियाल	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES परशिष्ट I	<ul style="list-style-type: none"> • भारत के उत्तरी भाग में ताज़े जल के नकियाय। • प्राथमिक आवास: चंबल नदी 	<ul style="list-style-type: none"> • घड़ियाल की आबादी नदी जल की स्वच्छता का अच्छा संकेतक है।
चार पंजे वाला कछुआ (Four-toed Terrapin)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) CITES परशिष्ट I वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I	<ul style="list-style-type: none"> • सुंदरबन पारस्थितिकी क्षेत्र 	<ul style="list-style-type: none"> • भारतीय जीवविज्ञानी शैलेंद्र सहि को इन प्रजातियों के संरक्षण के लिये बहलर कछुआ संरक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। • जैव विविधता संरक्षण और गंगा संरक्षण कार्यक्रम के तहत संरक्षित।
लाल मुकुट के समान छत वाला कछुआ (Red-crowned Roofed Turtle)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिष्ट II	<ul style="list-style-type: none"> • वर्तमान में, राष्ट्रीय चंबल नदी घड़ियाल अभयारण्य इसकी पर्याप्त आबादी वाला एकमात्र क्षेत्र है। 	<ul style="list-style-type: none"> • भारत का समुद्री कछुआ
चमड़े की पीठ वाला कछुआ (Leatherback Turtle)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I	<ul style="list-style-type: none"> • हृदि-प्रशांत 	
हॉक्सबिल कछुआ (Hawksbill Turtle)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I		

गंभीर रूप से संकटग्रस्त उभयचर:

प्रजाति	संरक्षण स्थिति	आवास	अद्वितीय विशेषता/टपिपणी
अन्नामलाई फ़्लाइंग फ़रॉग	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)		<ul style="list-style-type: none"> • पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग के लिये स्थानिक
केरल भारतीय मेंढक (Kerala India Frog)	IUCN: गंभीर संकटग्रस्त (CR)		

संकटग्रस्त प्रजातियाँ (EN):

प्रजाति	संरक्षण स्थिति	आवास	अद्वितीय विशेषता/टपिपणी
बाघ	IUCN: संकटग्रस्त (EN) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिष्ट I	<ul style="list-style-type: none"> अधिकांशतः 13 टाइगर रेंज वाले देशों: बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, रूस, थाईलैंड और वयितनाम में पाए जाते हैं। 70% बाघ भारत में पाए जाते हैं। 	<ul style="list-style-type: none"> महत्त्वपूर्ण और "व्यापक प्रजाति" के रूप में संदर्भित। भारत में 52 टाइगर रज़िर्व। भारत ने TX2 लक्ष्य हासिल कर लिया है, जो वर्ष 2022 तक विश्वभर के जंगलों में बाघों की संख्या को दोगुना करने हेतु एक वैश्विक परतबिद्धता है।
एशियाई शेर	IUCN: संकटग्रस्त (EN) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिष्ट I	<ul style="list-style-type: none"> गरि राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य एशियाई शेरों का एकमात्र नविकास स्थान है। 	<ul style="list-style-type: none"> एशियाई शेर अफ्रीकी शेरों से थोड़े छोटे होते हैं। इनकी सबसे प्रमुख रूपात्मक विशेषता यह है कि इनके पेट के साथ त्वचा की एक अनुदैर्ध्य परत पाई जाती है जो कि अफ्रीकी शेरों में बहुत ही दुर्लभ है।
गंगा डॉल्फिन	IUCN: संकटग्रस्त (EN) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिष्ट I प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय(CMS): परशिष्ट II	<ul style="list-style-type: none"> नेपाल, भारत और बांग्लादेश की गंगा-ब्रह्म पुत्र-मेघना और करणफुली-सांगू नदी प्रणालियाँ। 	<ul style="list-style-type: none"> ये केवल ताज़े/मीठे जल में पाई जाती हैं। अनविरय रूप से इनमें दृश्य क्षमता का अभाव होता है और ये अल्ट्रासोनिक ध्वनि उत्सर्जित करके शिकार करती हैं। इन्हें 'सुसु' (Susu) भी कहा जाता है। यह संपूर्ण नदी पारस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का एक विश्वसनीय संकेतक है। इसे भारत सरकार द्वारा वर्ष 2009 में राष्ट्रीय जलीय पशु के रूप में मान्यता दी गई थी।
पगिमी हॉग	IUCN: संकटग्रस्त (EN) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिष्ट I	<ul style="list-style-type: none"> ये नमीयुक्त घास के मैदान में पाए जाते हैं। वर्तमान में इनकी एक छोटी आबादी मुख्य रूप से असम में पाई जाती है। 	<ul style="list-style-type: none"> ये विश्व के सबसे दुर्लभ और सबसे छोटे जंगली सूअर हैं।
कोंडाना चूहा (Kondana Rat)	IUCN: संकटग्रस्त (EN)	<ul style="list-style-type: none"> केवल महाराष्ट्र में पुणे के नकित छोटे सहिगढ़ पठार में पाया जाता है। उष्णकटबिंधीय और उपोष्णकटबिंधीय शुष्क पर्णपाती वन और उष्णकटबिंधीय झाड़ियाँ। 	<ul style="list-style-type: none"> वे रात्रिचर हैं और बलियों में रहते हैं।
वन उल्लू (Forest Owlet)	IUCN: संकटग्रस्त (EN) CITES: परशिष्ट I	<ul style="list-style-type: none"> शुष्क पर्णपाती वन 	<ul style="list-style-type: none"> मध्य भारत के जंगलों के लिये स्थानिक
रेड पांडा	IUCN: संकटग्रस्त (EN) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I	<ul style="list-style-type: none"> भारत, नेपाल, भूटान के वन और म्यांमार तथा दक्षिणी चीन के उत्तरी पर्वत। मशरित पर्णपाती और 	<ul style="list-style-type: none"> जीनस ऐलुरस (Ailurus) का एकमात्र जीवित सदस्य। यह सिककिम का राज्य

		शंकुधारी वन जनिमें बाँस की सघन उपस्थिति होती है।	पशु भी है।
नीलगरि तहर	IUCN: संकटग्रस्त (EN) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I	• वर्षा वन पारस्थितिकी क्षेत्र के खुले पर्वतीय घास के मैदान।	<ul style="list-style-type: none"> नीलगरि पहाड़ियों और पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग के लिये स्थानिक। यह तमिलनाडु का राज्य पशु है। सैडलबैक के नाम से भी जाना जाता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रजातियाँ:

प्रजाति	संरक्षण स्थिति	आवास	अद्वितीय विशेषता/टपिपणी
हमि तेंदुआ (Snow Leopard)	IUCN: सुभेद्य (VU) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिषिट I	• मध्य और दक्षिणी एशिया के पर्वतीय क्षेत्र।	<ul style="list-style-type: none"> पर्वतीय पारस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का सूचक। वशिव की हमि तेंदुआ राजधानी: हेमसि, लद्दाख उच्च तुंगता वाले हिमालय की प्रमुख प्रजाति। हमि तेंदुओं के संरक्षण के लिये वर्ष 2009 में प्रोजेक्ट सनो लेपर्ड शुरू किया गया था।
चतिकबरा कोयल (Pied Cuckoo)	IUCN: संकटापन्न (NT)	• ये अफ्रीका और एशिया में पाए जाते हैं।	<ul style="list-style-type: none"> चतिकबरे कोयल को भारत में मानसून के साथ घनषिठ संबंध के लिये जाना जाता है। यह एक बूड़ परजीवी है यानी इस प्रजाति की मादा अपने अंडे अन्य पक्षियों के घोंसलों में देती है। यह उन कुछ प्रजातियों में से एक है जो ग्रीष्मकाल के दौरान में भारत आती हैं।
ओलवि रडिले कछुआ	IUCN: सुभेद्य (VU) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I CITES: परशिषिट I	• ओडिशा के गहरिमाथा समुद्री अभयारण्य को वशिव के सबसे बड़े नीडल स्थल के रूप में जाना जाता है।	<ul style="list-style-type: none"> ओलवि रडिले कछुए दुनिया में पाए जाने वाले सभी समुद्री कछुओं में सबसे छोटे और सबसे प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले कछुए हैं।
अमूर फालकन (Amur Falcon)	IUCN: कम चिंतीय (LC)	• दक्षिणपूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन	<ul style="list-style-type: none"> वशिव के सबसे लंबे समय तक यात्रा करने वाले रैप्टर। नगालैंड में दोगांग झील को अमूर फालकन के पड़ाव/वशिराम स्थल के रूप में जाना जाता है। नगालैंड को "वशिव की बाज़ राजधानी" (Falcon Capital of the World) के रूप में भी जाना जाता है।
ड्यूगॉन्ग (Dugong)	IUCN: सुभेद्य (VU) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम: अनुसूची I	• तमिलनाडु में मन्नार की खाड़ी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और गुजरात में कच्छ की खाड़ी।	<ul style="list-style-type: none"> शाकाहारी स्तनधारियों की एक मात्र शेष प्रजाति जो कविशेष रूप से समुद्र में रहती है। ड्यूगॉन्ग को समुद्री

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/important-species-in-news>

